

संक्षिप्त खबरें

पुणे में 138 करोड़ रुपए का सोना जल्द मिलेगा। पुणे जिले के सहकार नगर इलाके में पुणे-सातारा रोड पर कानकबीं के दैरेन एक घोटे से 138 करोड़ रुपये का सोना जल्द मिलेगा। इस मामले की टीम और चुनाव आयोग की टीम कर रही है। पुणे की पुलिस उपर्युक्त स्पार्ना पालिन ने बताया कि विधानसभा चुनाव के मद्देनजर पुलिस शुक्रवार का सकारात्मक नगर इलाके में नाकाबंदी कर रही थी। इसी दैरेन एक संदर्भ द्वेषीय घोटे घोटे गया और टेंपो की तत्त्वात् ली गई। टेंपो की तत्त्वात् के दैरेन 138 करोड़ रुपये का सोना मिला। पुलिस ने सोना को जब कर लिया और इसकी सूचना तत्त्वात् चुनाव आयोग और आयकर विभाग को दी गई है। मामले की गहराई जानकारी की जाएगी।

गैंगस्टर अमन साहु को नहीं मिले प्रस्तावक, नहीं हो सका नामांकन रामगढ़। अतराज्यीय गैंगस्टर अमन साहु का बड़कागांव विधानसभा से चुनाव लड़ने के बाद अन्तर्नाल लीटी रहा। नामांकन की अधिकारी नहीं रखी तक अमन साहु ने तकनीकी अडचन दूर करने के लिए काफी प्रयास किया। लेकिन अंततः प्रस्तावक जुटाने में विफल रहा। उसे पर्याप्त प्रस्तावक नहीं मिले, जो उसका नामांकन वाली नहीं हो रही। गमगढ़ अनुमंडल कार्यालय के बाहर अमन साहु की मां किण्ण देवी, पिता निरंजन साहु और परिवार के अन्य सदस्य शुक्रवार की दोपहर बांटों तंत्रजार करते रहे। वक्तव्य भी लातारा प्रस्तावक को जुटाने में लग रहे। लेकिन प्रस्तावकों की लिस्ट पूरी नहीं हो पाई।

हिमाचल में बनी 23 दवाओं के सैंपल फेल

शिमला। हिमाचल प्रदेश में बनी 23 दवाएं कंट्रीय औषधि मानक नियंत्रण संस्थान (सीडीएसआई) के मानकों पर खरी रहीं तरींगी। इसके सैंपल के फेल हो गए हैं। यह एक्सप्रेस हाट एटेक, ब्लड शुरू और कैम्स जैसी जालेवा बोमारियों के इलाज में इस्तेमाल होती है। दवाओं के सैंपल फेल होने के बाद हिमाचल में फार्मासीपार्स में हडकप मच गया है। ड्रग एक्सप्रेसर ने कंट्रीयों को दवाओं का स्टॉक देशभर से वापस मांगने के निर्देश दिये हैं, क्योंकि हिमाचल में बनी दवाइयों परे देश में सलाली की जाती है। स्टेट ड्रग कोट्रोलर मनीष कपूर ने बताया कि सीडीएसआई के अलंकरण भारत की दवाओं की जांच के बाद इनकी रिपोर्ट शेयर की है। इसके मुताबिक 49 में से 20 सैंपल सीडीएसआई की जांच में और 18 में से 3 दवाओं के सैंपल ड्रग कोट्रोलर की जांच में फेल पाए गए।

संताल एक्सप्रेस

पूर्व लद्धाख में भारत-चीन की सेनाएं पीछे हटना शुरू

गलवान जैसी झट्ट टालने के लिए अलग-अलग दिन पेट्रोलिंग, एक-दूसरे को सूचना भी देंगी



एजेंसी

को सेनाओं को एक-दूसरे को पहले से इसकी सूचना देनी होगी। 2020 में भारत-चीन के बीच गलवान में टकराव के बाद डेमचोक और देसांग में तनाव के हालात बने हुए थे। भारत और चीन 3,488 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करती है। इसे दिनांक की सबसे लंबी विवादित सीमा भी कहा जाता है। ये सीमा तीन सेक्टर्स- ईस्टर्न, मिडिल और वेस्टर्न में बात गया है। लद्धाख योंगट सेक्टर में आते हैं। लद्धाख की बीच कोई आधिकारिक सीमा नहीं है और इसकी बजह चीन ही है और इसी बजह से विवाद का कोई हल नहीं दिलाया गया। चीन, अरुणाचल प्रदेश के लिए एक समझौते हुए। इसने तय हुआ कि सीमा पर दोनों देशों की जूँ शिथि है, वही रहेंगी। हालांकि, इन समझौतों के बावजूद चीन सीमा पर उक्साने वाले हैं। लद्धाख योंगट कोई आधिकारिक आधिकारिक सीमा नहीं है और इसकी बजह चीन ही है और इसी बजह से विवाद का कोई हल नहीं दिलाया गया। चीन, अरुणाचल प्रदेश के लिए एक समझौते हुए। इसने तय हुआ कि सीमा पर दोनों देशों की जूँ शिथि है, वही रहेंगी। हालांकि, इन समझौतों के बावजूद चीन सीमा पर उक्साने वाले हैं। लद्धाख योंगट कोई आधिकारिक आधिकारिक सीमा नहीं है और इसकी बजह चीन ही है और इसी बजह से विवाद का कोई हल नहीं दिलाया गया। चीन, अरुणाचल प्रदेश के लिए एक समझौते हुए। इसने तय हुआ कि सीमा पर दोनों देशों की जूँ शिथि है, वही रहेंगी। हालांकि, इन समझौतों के बावजूद चीन सीमा पर उक्साने वाले हैं। लद्धाख योंगट कोई आधिकारिक आधिकारिक सीमा नहीं है और इसकी बजह चीन ही है और इसी बजह से विवाद का कोई हल नहीं दिलाया गया। चीन, अरुणाचल प्रदेश के लिए एक समझौते हुए। इसने तय हुआ कि सीमा पर दोनों देशों की जूँ शिथि है, वही रहेंगी। हालांकि, इन समझौतों के बावजूद चीन सीमा पर उक्साने वाले हैं। लद्धाख योंगट कोई आधिकारिक आधिकारिक सीमा नहीं है और इसकी बजह चीन ही है और इसी बजह से विवाद का कोई हल नहीं दिलाया गया। चीन, अरुणाचल प्रदेश के लिए एक समझौते हुए। इसने तय हुआ कि सीमा पर दोनों देशों की जूँ शिथि है, वही रहेंगी। हालांकि, इन समझौतों के बावजूद चीन सीमा पर उक्साने वाले हैं। लद्धाख योंगट कोई आधिकारिक आधिकारिक सीमा नहीं है और इसकी बजह चीन ही है और इसी बजह से विवाद का कोई हल नहीं दिलाया गया। चीन, अरुणाचल प्रदेश के लिए एक समझौते हुए। इसने तय हुआ कि सीमा पर दोनों देशों की जूँ शिथि है, वही रहेंगी। हालांकि, इन समझौतों के बावजूद चीन सीमा पर उक्साने वाले हैं। लद्धाख योंगट कोई आधिकारिक आधिकारिक सीमा नहीं है और इसकी बजह चीन ही है और इसी बजह से विवाद का कोई हल नहीं दिलाया गया। चीन, अरुणाचल प्रदेश के लिए एक समझौते हुए। इसने तय हुआ कि सीमा पर दोनों देशों की जूँ शिथि है, वही रहेंगी। हालांकि, इन समझौतों के बावजूद चीन सीमा पर उक्साने वाले हैं। लद्धाख योंगट कोई आधिकारिक आधिकारिक सीमा नहीं है और इसकी बजह चीन ही है और इसी बजह से विवाद का कोई हल नहीं दिलाया गया। चीन, अरुणाचल प्रदेश के लिए एक समझौते हुए। इसने तय हुआ कि सीमा पर दोनों देशों की जूँ शिथि है, वही रहेंगी। हालांकि, इन समझौतों के बावजूद चीन सीमा पर उक्साने वाले हैं। लद्धाख योंगट कोई आधिकारिक आधिकारिक सीमा नहीं है और इसकी बजह चीन ही है और इसी बजह से विवाद का कोई हल नहीं दिलाया गया। चीन, अरुणाचल प्रदेश के लिए एक समझौते हुए। इसने तय हुआ कि सीमा पर दोनों देशों की जूँ शिथि है, वही रहेंगी। हालांकि, इन समझौतों के बावजूद चीन सीमा पर उक्साने वाले हैं। लद्धाख योंगट कोई आधिकारिक आधिकारिक सीमा नहीं है और इसकी बजह चीन ही है और इसी बजह से विवाद का कोई हल नहीं दिलाया गया। चीन, अरुणाचल प्रदेश के लिए एक समझौते हुए। इसने तय हुआ कि सीमा पर दोनों देशों की जूँ शिथि है, वही रहेंगी। हालांकि, इन समझौतों के बावजूद चीन सीमा पर उक्साने वाले हैं। लद्धाख योंगट कोई आधिकारिक आधिकारिक सीमा नहीं है और इसकी बजह चीन ही है और इसी बजह से विवाद का कोई हल नहीं दिलाया गया। चीन, अरुणाचल प्रदेश के लिए एक समझौते हुए। इसने तय हुआ कि सीमा पर दोनों देशों की जूँ शिथि है, वही रहेंगी। हालांकि, इन समझौतों के बावजूद चीन सीमा पर उक्साने वाले हैं। लद्धाख योंगट कोई आधिकारिक आधिकारिक सीमा नहीं है और इसकी बजह चीन ही है और इसी बजह से विवाद का कोई हल नहीं दिलाया गया। चीन, अरुणाचल प्रदेश के लिए एक समझौते हुए। इसने तय हुआ कि सीमा पर दोनों देशों की जूँ शिथि है, वही रहेंगी। हालांकि, इन समझौतों के बावजूद चीन सीमा पर उक्साने वाले हैं। लद्धाख योंगट कोई आधिकारिक आधिकारिक सीमा नहीं है और इसकी बजह चीन ही है और इसी बजह से विवाद का कोई हल नहीं दिलाया गया। चीन, अरुणाचल प्रदेश के लिए एक समझौते हुए। इसने तय हुआ कि सीमा पर दोनों देशों की जूँ शिथि है, वही रहेंगी। हालांकि, इन समझौतों के बावजूद चीन सीमा पर उक्साने वाले हैं। लद्धाख योंगट कोई आधिकारिक आधिकारिक सीमा नहीं है और इसकी बजह चीन ही है और इसी बजह से विवाद का कोई हल नहीं दिलाया गया। चीन, अरुणाचल प्रदेश के लिए एक समझौते हुए। इसने तय हुआ कि सीमा पर दोनों देशों की जूँ शिथि है, वही रहेंगी। हालांकि, इन समझौतों के बावजूद चीन सीमा पर उक्साने वाले हैं। लद्धाख योंगट कोई आधिकारिक आधिकारिक सीमा नहीं है और इसकी बजह चीन ही है और इसी बजह से विवाद का कोई हल नहीं दिलाया गया। चीन, अरुणाचल प्रदेश के लिए एक समझौते हुए। इसने तय हुआ कि सीमा पर दोनों देशों की जूँ शिथि है, वही रहेंगी। हालांकि, इन समझौतों के बावजूद चीन सीमा पर उक्साने वाले हैं। लद्धाख योंगट कोई आधिकारिक आधिकारिक सीमा नहीं है और इसकी बजह चीन ही है और इसी बजह से विवाद का कोई हल नहीं दिलाया गया। चीन, अरुणाचल प्रदेश के लिए एक समझौते हुए। इसने तय हुआ कि सीमा पर दोनों देशों की जूँ शिथि है, वही रहेंगी। हालांकि, इन समझौतों के बावजूद चीन सीमा पर उक्साने वाले हैं। लद्धाख योंगट कोई आधिकारिक आधिकारिक सीमा नहीं है और इसकी बजह चीन ही है और इसी बजह से विवाद का कोई हल नहीं दिलाया गया। चीन, अरुणाचल प्रदेश के लिए एक समझौते हुए। इसने तय हुआ कि सीमा पर दोनों देशों की जूँ शिथि है, वही रहेंगी। हालांकि, इन समझौतों के बावजूद चीन सीमा पर उक्साने वाले हैं। लद्धाख योंगट कोई आधिकारिक आधिकारिक सीमा नहीं है और इसकी बजह चीन ही है और इसी बजह से विवाद का कोई हल नहीं दिलाया गया। चीन, अरुणाचल प्रदेश के लिए एक समझौते हुए। इसने तय हुआ कि सीमा पर दोनों देशों क

भूमाफिया कर दहे है गोपर जमीन पर अवैध निर्माण



संवाददाता मदेनजर प्रबंड स्टर के सभी विभागों
रानीश्वर। विधानसभा चुनाव के के पदाधिकारी चुनाव कार्य में

सीपीआईएन और आईएनएसएसएफ पार्टी
के दो प्रत्यार्थी ने किया नामांकन



दुमका। 11-जामा (अ.ज.जा) विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से शुक्रवार को सोपीआईएम पार्टी के प्रत्यार्थी सनातन देहेरा ने निर्वाची पदाधिकारी सह अपर सामाजिकों को अपना नामांकन पत्र सौंपा। वर्तीं दूसरे प्रत्यार्थी 07-शिक्षारीपाड़ा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से आई एन एस एफ पार्टी के प्रत्यार्थी स्पिन मुरूं ने निर्वाची पदाधिकारी सह भूमि सुधार उपसमाहितों को अपना नामांकन पत्र सौंपा।

जाहेर ऐरा ने किया मेला का आयोजन



गोपीकांदर। गोपीकांदर प्रबंड के मजलीहा (टुगापुर) में शुक्रवार का जाहेर ऐरा (भारत माता) की एक दिवसीय मेले आयोजन किया गया। मेला का उद्घाटन मुख्य अतिथि जीप सदस्य निशा सबनम हांसदा और समाजसेवी पोलिन मुरूं ने पीता काट कर किया। मेला में दर्जनों दसाय नृत्य दर्शकों के द्वारा दसाय नृत्य प्रस्तुत किया गया। जीप सदस्य निशा सबनम हांसदा ने बताया कि जाहेर ऐरा (भारत माता) मेला पिछ्ले 56 वर्षों से आयोजित होती आ रही। इस मेले में गोपीकांदर प्रबंड के अलावे दूर दराज के ग्रामीण भी शामिल हुए। उद्घोष बताया कि जाहेर ऐरा मेला प्रैसिड मेला है। मेला रांगांर संथाली कार्यक्रम में प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर उच्च उप्रमुख सह मेला अध्यक्ष कुबराज बेसरा, सचिव सुनील मरांडी, कोशाली अध्यक्ष शिवलाल सोरेन, रामगिरि ग्राम प्रधान सह महामंत्री मरांडी सलाहकार बैजनाथ राय, संवाददाता रामांडी, जोन हांसदा, करण हांसदा स्टेफान मरांडी, विकास बेसरा, सोनाराज मरांडी सहित अचि आदि मौजूद थे।

सीओ ने किया विनिष्ठ चेकनाका का निरीक्षण



रानीश्वर। शुक्रवार को अंचल अधिकारी संदा नुसरत ने यहां विभिन्न चेकनाका का निरीक्षण कर पश्चिम बंगाल सोना में वाहन जाच का निरीक्षण किया। आमोजा - सिल्डी मुख्यपथ के दिल्ली के चेक पोस्ट, दुमका सिल्डी मुख्यपथ के मध्ये खाली के चेकनाका, जीवनपुर पोस्ट के बहान जाच कर दवाधिकारी एवं पुलिस बल को कई आवश्यक निरेश दी है।

योग शिक्षकों की हुई बैठक



दुमका। जिला आयुष कार्यालय दुमका के आयुष चिकित्सा पदाधिकारी राजकुमार प्रजापति को अध्यक्षता में सभी दस प्रबंडों के योग शिक्षकों के बीच आयोजित किया गया। इस बैठक में कक्षा छह से कक्षा आठ तक के सभी स्कूलों में पांच योग मित्र बनाने का बात कही गई। एवं योग मित्र बाला गण स्कूलों में योग मित्र कीटी शर्ट, टोपी, बैच, आदि वितरण कर प्रियोट जल्द जमा करने का निर्देश दिया गया। योग शिक्षक सभी प्रबंडों में नियमित रूप से योग कक्ष चला रहे हैं। बैठक में सभी योग शिक्षक गण निर्जन कुपर, बिनोद राय, मुरेश कुमार, नवदीप कुपर, मुकेश कुमार, कुट्टा हांसदा, बैद्यनाथ पाल, कृष्ण कुमार, अमीना कुमारी, गोरी कुमारी, पुरुल कुमारी, डाओ राजीव रंजन, डाओ अनीता, द्राई कॉर्डिनेटर संतोष कुमार गाँवामी थे।

स्थामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अशोक कुमार द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, धनबाद गोविंदपुर मेन रोड अशोक नगर, केजी आश्रम, गोसांडीह धनबाद झारखंड से मुद्रित तथा संताल एक्सप्रेस कार्यालय दंगालपाड़ा, हिजला

रोड, दुमका (झारखंड) से प्रकाशित, RNI NO. JHABIL/2018/76383, सलाहकार संपादक चंदन मिश्र, प्रबंध संपादक सिद्धार्थ कुमार, स्थानीय संपादक चुप्पा सोरेन 'सिपाही' फोन नं. 7367009287, 9771486686

लालटेन छोड़कर अब जरमुंडी से साइकिल की सवारी करेंगे डॉ अमरेंद्र यादव

● अधिलेश यादव आगे जरमुंडी, गोरेंग युवाओं में जोश संवाददाता

बास्कुनीनाथ। जरमुंडी विधानसभा क्षेत्र के पूर्व प्रयाणी, राजद के प्रदेश महाराजिया संसद देवर जिला राजद प्रभारी व पूर्व जिला अध्यक्ष राजद डॉ अमरेंद्र कुमार यादव ने राजद के सभी पदों से लागवार अविनाश यादव को अवैध अतिकरण को लेकर अंजन प्राप्त जानकारी के अनुसार मौजा राजद के दाग सीखा 399 गोचर जिसका रकम बनी अवैध कब्जा कर रहा है।

मौजा का फायदा उजार यादव यहां पर अवैध अतिकरण को लेकर अंजन प्राप्त जानकारी के अनुसार मौजा राजद के दाग सीखा 399 गोचर जिसका रकम बनी अवैध कब्जा कर रहा है।

मौजा का फायदा उजार यादव यहां पर अवैध अतिकरण को लेकर अंजन प्राप्त जानकारी के अनुसार मौजा राजद के दाग सीखा 399 गोचर जिसका रकम बनी अवैध कब्जा कर रहा है।

मौजा का फायदा उजार यादव यहां पर अवैध अतिकरण को लेकर अंजन प्राप्त जानकारी के अनुसार मौजा राजद के दाग सीखा 399 गोचर जिसका रकम बनी अवैध कब्जा कर रहा है।

मौजा का फायदा उजार यादव यहां पर अवैध अतिकरण को लेकर अंजन प्राप्त जानकारी के अनुसार मौजा राजद के दाग सीखा 399 गोचर जिसका रकम बनी अवैध कब्जा कर रहा है।

मौजा का फायदा उजार यादव यहां पर अवैध अतिकरण को लेकर अंजन प्राप्त जानकारी के अनुसार मौजा राजद के दाग सीखा 399 गोचर जिसका रकम बनी अवैध कब्जा कर रहा है।

मौजा का फायदा उजार यादव यहां पर अवैध अतिकरण को लेकर अंजन प्राप्त जानकारी के अनुसार मौजा राजद के दाग सीखा 399 गोचर जिसका रकम बनी अवैध कब्जा कर रहा है।

मौजा का फायदा उजार यादव यहां पर अवैध अतिकरण को लेकर अंजन प्राप्त जानकारी के अनुसार मौजा राजद के दाग सीखा 399 गोचर जिसका रकम बनी अवैध कब्जा कर रहा है।

मौजा का फायदा उजार यादव यहां पर अवैध अतिकरण को लेकर अंजन प्राप्त जानकारी के अनुसार मौजा राजद के दाग सीखा 399 गोचर जिसका रकम बनी अवैध कब्जा कर रहा है।

मौजा का फायदा उजार यादव यहां पर अवैध अतिकरण को लेकर अंजन प्राप्त जानकारी के अनुसार मौजा राजद के दाग सीखा 399 गोचर जिसका रकम बनी अवैध कब्जा कर रहा है।

मौजा का फायदा उजार यादव यहां पर अवैध अतिकरण को लेकर अंजन प्राप्त जानकारी के अनुसार मौजा राजद के दाग सीखा 399 गोचर जिसका रकम बनी अवैध कब्जा कर रहा है।

मौजा का फायदा उजार यादव यहां पर अवैध अतिकरण को लेकर अंजन प्राप्त जानकारी के अनुसार मौजा राजद के दाग सीखा 399 गोचर जिसका रकम बनी अवैध कब्जा कर रहा है।

मौजा का फायदा उजार यादव यहां पर अवैध अतिकरण को लेकर अंजन प्राप्त जानकारी के अनुसार मौजा राजद के दाग सीखा 399 गोचर जिसका रकम बनी अवैध कब्जा कर रहा है।

मौजा का फायदा उजार यादव यहां पर अवैध अतिकरण को लेकर अंजन प्राप्त जानकारी के अनुसार मौजा राजद के दाग सीखा 399 गोचर जिसका रकम बनी अवैध कब्जा कर रहा है।

मौजा का फायदा उजार यादव यहां पर अवैध अतिकरण को लेकर अंजन प्राप्त जानकारी के अनुसार मौजा राजद के दाग सीखा 399 गोचर जिसका रकम बनी अवैध कब्जा कर रहा है।

मौजा का फायदा उजार यादव यहां पर अवैध अतिकरण को लेकर अंजन प्राप्त जानकारी के अनुसार मौजा राजद के दाग सीखा 399 गोचर जिसका रकम बनी अवैध कब्जा कर रहा है।

मौजा का फायदा उजार यादव यहां पर अवैध अतिकरण को लेकर अंजन प्राप्त जानकारी के अनुसार मौजा राजद के दाग सीखा 399 गोचर जिसका रकम बनी अवैध कब्जा कर रहा है।

मौजा का फायदा उजार यादव यहां पर अवैध अतिकरण को लेकर अंजन प्राप्त जानकारी के अनुसार मौजा राजद के दाग सीखा 399 गोचर जिसका रकम बनी अवैध कब्जा कर रहा है।

मौजा का फायदा उजार यादव यहां पर अवैध अतिकरण को लेकर अंजन प्राप्त जानकारी के अनुसार मौजा राजद के दाग सीखा 399 गोचर जिसका रकम बनी अवैध कब्जा कर रहा है।

मौजा का फायदा उजार यादव यहां पर अवैध अतिकरण को लेकर अंजन प्राप्त जानकारी के अनुसार मौजा राजद के दाग सीखा 399 गोचर जिसका रकम बनी अवैध कब्जा कर रहा है।

मौजा का फायदा उजार यादव यहां पर अवैध अतिकरण को लेकर अंजन प्राप्त जानकारी के अनुसार मौजा राजद के दाग सीखा 399 गोचर जिसका रकम बनी अवैध कब्जा कर रहा है।

मौजा का फायदा उजार यादव यहां पर अवैध अतिकरण को लेकर अंजन प्राप्त जानकारी के अनुसार मौजा राजद के दाग सीखा 399 गोचर जिसका रकम बनी अवैध कब्जा कर रहा है।

मौजा का फायदा उजार यादव यहां पर अवैध अतिकरण को लेकर अंजन प